नित्यं पिबामः सुभाषितरसम्

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» सुभाषित क्या है

प्रश्न 1 (आसान). सुभाषित का मतलब क्या है?
उत्तर – अच्छे और सार्थक वचन जो मूल्य सिखाते हैं

प्रश्न 2 (आसान). वस्त्रेण वपुषा वाचा श्लोक का क्या अर्थ है?
उत्तर – कपड़ों से, शरीर से और बोलने से व्यक्ति की पहचान होती है

प्रश्न 3 (मध्यम). सुभाषित हमारे जीवन में क्यों महत्वपूर्ण हैं?
उत्तर – वे हमारे चिंतन विकास और विविध मूल्यों को बढ़ाते हैं

प्रश्न 4 (कठिन). अपने शब्दों में बताओ कि 'नित्यं पिबामः सुभाषितरसम्' का क्या अर्थ है और यह हमें क्या सिखाता है?
उत्तर – रोज़ अच्छे वचनों का रस पीना चाहिए, यह हमें बेहतर इंसान बनाता है

» पञ्चभिर्वकारैः युक्तः नरः

प्रश्न 5 (आसान). पञ्चभिर्वकारैः में कौन-कौन से पाँच वकार हैं?
उत्तर – वस्त्र, वपुष्, वाक्, विद्या, विनय

प्रश्न 6 (आसान). श्लोक के अनुसार युक्तः नरः क्या भवति?
उत्तर – पूजितः

प्रश्न 7 (मध्यम). 'वकारैः पञ्चभिर्युक्तो नरो भवति पूजितः' का अन्वय लिखो।
उत्तर – पञ्चभिः वकारैः युक्तः नरः पूजितः भवति।

प्रश्न 8 (कठिन). भावार्थ लिखते हुए बताओ कि इन पाँच वकारों से युक्त होने पर मनुष्य को क्या मिलता है और क्यों?
उत्तर – समुचित वस्त्र, स्वस्थ शरीर, सुमधुर वचन, अध्ययन और विनम्र व्यवहार से युक्त मनुष्यः लोके सम्मानं प्राप्नोति क्योंकि ये गुण उसे पूजित बनाते हैं।

» षड् दोषाः हातव्याः

प्रश्न 9 (आसान). षड् दोषाः कति सन्ति?
उत्तर – षट् (६)

प्रश्न 10 (आसान). भूतिमिच्छता कः?
उत्तर – समृद्धि चाहने वाला पुरुष

प्रश्न 11 (मध्यम). निद्रा तन्द्रा भयं क्रोध आलस्यं दीर्घसूत्रता – एते के?
उत्तर – षड् दोषाः

प्रश्न 12 (कठिन). यदि पुरुषः भूतिम् इच्छति तर्हि किं करणीयम्? श्लोकम् उदाहृत्य लिखत।
उत्तर – षड् दोषाः पुरुषेणेह हातव्या भूतिमिच्छता। निद्रा तन्द्रा भयं क्रोध आलस्यं दीर्घसूत्रता।

» शुद्धि के साधन

प्रश्न 13 (आसान). शरीर की शुद्धि किससे होती है?
उत्तर – अद्भिः – पानी से

प्रश्न 14 (आसान). मन की शुद्धि किससे होती है?
उत्तर – सत्येन – सत्य से

प्रश्न 15 (मध्यम). विद्या और तप किसकी शुद्धि करते हैं?
उत्तर – भूतात्मा – आत्मा की

प्रश्न 16 (कठिन). श्लोक के अनुसार पूर्ण शुद्धि के लिए क्या-क्या दैनिक अभ्यास करने चाहिए?
उत्तर – स्नान, सत्यकथन, विद्याभ्यास, परिश्रम और ज्ञानार्जन

» भारतवर्ष का भौगोलिक परिचय

प्रश्न 17 (आसान). भारतवर्ष किसके उत्तर में स्थित है?
उत्तर – समुद्र के उत्तर में

प्रश्न 18 (आसान). भारतवर्ष किसके दक्षिण में स्थित है?
उत्तर – हिमालय के दक्षिण में

प्रश्न 19 (मध्यम). श्लोक के अनुसार 'भारती सन्ततिः' का क्या अर्थ है?
उत्तर – भारतीय संतति, यानी भारतीय लोग

प्रश्न 20 (कठिन). इस श्लोक से हमें भारत के भौगोलिक स्वरूप के बारे में क्या समझ आता है? पूर्ण वाक्य में लिखो।
उत्तर – इस श्लोक से समझ आता है कि भारतवर्ष समुद्र के उत्तर और हिमालय के दक्षिण में स्थित एक प्राकृतिक रूप से सुरक्षित भूमि है जहाँ भारतीय लोग रहते हैं।

» जलबिन्दु से घट पूर्ति

प्रश्न 21 (आसान). श्लोक में 'घटः' किसका प्रतीक है?
उत्तर – हमारा ज्ञान, धर्म और धन

प्रश्न 22 (आसान). 'जलबिन्दुनिपातेन' का क्या अर्थ है?
उत्तर – जल की बूँदों के गिरने से

प्रश्न 23 (मध्यम). इस श्लोक से हमें क्या सीख मिलती है? एक वाक्य में बताओ।
उत्तर – निरंतर अभ्यास से ही ज्ञान, धर्म और धन प्राप्त होते हैं।

प्रश्न 24 (कठिन). अपने जीवन में इस श्लोक को कैसे लागू करोगे? दो उदाहरण दो।
उत्तर – रोज़ थोड़ा-थोड़ा पढ़कर परीक्षा में अच्छे नंबर लाना और रोज़ व्यायाम करके स्वस्थ रहना।

» बुद्धि के विकास के उपाय

प्रश्न 25 (आसान). श्लोक में बुद्धि का विकास किससे होता है?
उत्तर – पढ़ने, लिखने, देखने, पूछने और पण्डितों के आश्रय से

प्रश्न 26 (आसान). बुद्धि की तुलना श्लोक में किससे की गई है?
उत्तर – नलिनीदलमिव – कमल के दल से

प्रश्न 27 (मध्यम). यदि कोई छात्र केवल पढ़ता है लेकिन पूछता नहीं और पण्डितों के पास नहीं जाता, तो उसके बारे में श्लोक क्या कहता है?
उत्तर – उसकी बुद्धि पूरी तरह विकसित नहीं होगी, क्योंकि परिपृच्छति और उपाश्रयति दोनों जरूरी हैं

प्रश्न 28 (कठिन). इस श्लोक से हमें क्या सीख मिलती है कि बुद्धि विकास के लिए केवल किताब पढ़ना काफी नहीं है? अपने शब्दों में समझाओ।

उत्तर – हमें देखना, सवाल पूछना और विद्वानों का संग करना भी चाहिए ताकि बुद्धि सूर्य किरणों से खिले कमल की तरह पूरी तरह विस्तारिता हो सके

» मधुर वचन का महत्व

प्रश्न 29 (आसान). सभी जन्तु किससे प्रसन्न होते हैं?

उत्तर – प्रियवाक्यप्रदानेन

प्रश्न 30 (आसान). वचन में क्या नहीं करनी चाहिए?

उत्तर – दरिद्रता (कंजूसी)

प्रश्न 31 (मध्यम). मधुर भाषण से क्या लाभ है? एक वाक्य में लिखो।

उत्तर – मधुर भाषण से सभी प्रसन्न होते हैं और कोई हानि नहीं होती।

प्रश्न 32 (कठिन). यदि हम कड़वे वचन बोलें तो क्या होगा? श्लोक के आधार पर समझाओ।

उत्तर – सभी जन्तवः प्रसन्न नहीं होंगे, इसलिए तदेव वक्तव्यम् – हमेशा प्रिय वाक्य ही बोलना चाहिए।

» आलस्य महान रिपु

प्रश्न 33 (आसान). आलस्य क्या है? एक वाक्य में बताओ।

उत्तर – आलस्य शरीरस्थः महान् रिपुः है।

प्रश्न 34 (आसान). उद्यम किसके समान है?

उत्तर – उद्यमसमो बन्धुः

प्रश्न 35 (मध्यम). श्लोक के अनुसार उद्यम करने वाला क्यों कभी दुखी नहीं होता? समझाओ।

उत्तर – क्योंकि कृत्वा यं नावसीदति – मेहनत से काम पूरा होता है, इसलिए दुख नहीं होता।

प्रश्न 36 (कठिन). अपने जीवन में आलस्य के दो उदाहरण दो और बताओ कि उद्यम कैसे मदद कर सकता है।

उत्तर – उदाहरण: पढ़ाई टालना, खेल छोड़ना। उद्यम से रोज पढ़ने और प्रैक्टिस से सफलता मिलेगी।

» परोपकारः पुण्याय

प्रश्न 37 (आसान). परोपकारः पुण्याय का मतलब क्या है?

उत्तर – दूसरों की मदद करना पुण्य लाता है।

प्रश्न 38 (आसान). परपीडनं पापाय का क्या अर्थ है?

उत्तर – दूसरों को दुख देना पाप है।

प्रश्न 39 (मध्यम). अष्टादशपुराणेषु व्यासस्य वचनद्वयम् का भावार्थ लिखो।

उत्तर – अठारह पुराणों का सार है – परोपकार पुण्य के लिए, परपीड़न पाप के लिए।

प्रश्न 40 (कठिन). अपने आस-पास का एक उदाहरण दो जिसमें परोपकारः पुण्याय दिखता हो और बताओ इससे क्या सीख मिलती है।

उत्तर – उदाहरण – बाढ़ में मदद करना। सीख – पुण्य मिलता है, नैतिक जीवन जीना चाहिए।

» शब्दार्थ और अनुवाद

प्रश्न 41 (आसान). हेतुः का English अर्थ लिखो।

उत्तर – Reason

प्रश्न 42 (आसान). उपाश्रयति का हिंदी अर्थ बताओ।

उत्तर – पास जाता है

प्रश्न 43 (मध्यम). सङ्गतिः शब्द का पूरा शब्दार्थ लिखो – संस्कृत, हिंदी, English।

उत्तर – संसर्गः - संग - Association

प्रश्न 44 (कठिन). 'परपीडनम्' का मातृभाषा में अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करो।

उत्तर – दूसरों को पीड़ा देना – परपीडनम् पापाय भवति।

» तृतीय विभक्ति का रूप और प्रयोग

प्रश्न 45 (आसान). रिक्त स्थान: वृक्ष..... फलं पतति। (वृक्ष)

उत्तर – वृक्षेण

प्रश्न 46 (आसान). रिक्त स्थान: बालिका ..... पुस्तकं पठति। (लता)

उत्तर – लतया

प्रश्न 47 (मध्यम). वाक्य बनाइए – (विद्याभिः) + (विद्यालये) + (पठन्ति)

उत्तर – विद्याभिः विद्यालये पठन्ति।

प्रश्न 48 (कठिन). सुभाषित पूरा कीजिए और तृतीय विभक्ति शब्द बताइए – यः पठति लिखति पृच्छति .....

उत्तर – विद्याभिः (या ज्ञानेन – सही रूप विद्याभिः)

» सुभाषितों पर आधारित अभ्यास

प्रश्न 49 (आसान). बुद्धिः केन शुध्यति?

उत्तर – ज्ञानेन

प्रश्न 50 (आसान). जलबिन्दुनिपातेन क्रमशः कः पूर्यते?

उत्तर – घटः

प्रश्न 51 (मध्यम). निम्नलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि पूर्णवाक्येन लिखन्तु – पुरुषेण के दोषाः हातव्याः?

उत्तर – पुरुषेण षट् दोषाः हातव्याः।

प्रश्न 52 (कठिन). रिक्त स्थान पूर्ति करो – वृक्ष..... (द्विवचन, तृतीया)

उत्तर – वृक्षाभ्याम्

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. नीचे दिए वाक्य को पढ़कर बताओ कि यह सुभाषित क्यों है – 'अयोग्यः पुरुषो नास्ति योजकस्तत्र दुर्लभः'

› पहले अर्थ समझो – कोई भी इंसान अयोग्य नहीं होता, बस उसे सही काम पर लगाने वाला मिलना मुश्किल है।

› अब देखो, ये मानव मूल्य सिखाता है – हर किसी में कुछ न कुछ अच्छाई है।

› इसलिए ये सुभाषित है क्योंकि ये हमें सकारात्मक सोच और दूसरों का सम्मान सिखाता है।

उत्तर – यह सुभाषित है क्योंकि यह मानव मूल्यों जैसे सम्मान और योग्यता को बढ़ावा देता है।

उदाहरण 2. पञ्चभिर्वकारैः युक्तः नरः की व्याख्या पदच्छेद, अन्वय और भावार्थ के साथ करो।

› पहले श्लोक को पढ़ो – वस्त्रेण वपुषा वाचा विद्यया विनयेन च वकारैः पञ्चभिर्युक्तो नरो भवति पूजितः।

› पदच्छेद करो – वस्त्रेण, वपुषा, वाचा, विद्यया, विनयेन, च, वकारैः, पञ्चभिः, युक्तः, नरः, भवति, पूजितः।

› अन्वय लगाओ – पञ्चभिः वकारैः युक्तः नरः पूजितः भवति।

› भावार्थ समझो – जो व्यक्ति इन पाँच वकारों – वस्त्र, वपुष्, वाक्, विद्या, विनय – से युक्त होता है, वह संसार में पूजित होता है।

उत्तर – पञ्चभिर्वकारैः युक्तः नरः पूजितः भवति।

उदाहरण 3. पुरुषेण के कति दोषाः हातव्याः सन्ति? के ते दोषाः? भावार्थं लिखत।

› सबसे पहले श्लोक को याद करो – षड् दोषाः पुरुषेणेह हातव्या भूतिमिच्छता

› षड् मतलब छह, इसलिए ६ दोष हातव्याः हैं

› दोषों के नाम – निद्रा, तन्द्रा, भयं, क्रोधः, आलस्यं, दीर्घसूत्रता

› भावार्थ – जो पुरुष समृद्धि चाहता है उसे इन छह बुराइयों को पूरी तरह छोड़ देना चाहिए क्योंकि ये उन्नति में बाधा डालते हैं

उत्तर – पुरुषेण षट् दोषाः हातव्याः सन्ति। ते दोषाः – निद्रा, तन्द्रा, भयं, क्रोधः, आलस्यं, दीर्घसूत्रता। भावार्थः – भूतिमिच्छता पुरुषेण एते षड् दोषाः परित्यक्तव्याः।

उदाहरण 4. दैनिक जीवन में शुद्धि के साधनों को कैसे अपनाएँ? श्लोक के अनुसार चारों का एक-एक उदाहरण दो।

› पहला – अद्भिः गात्राणि शुध्यन्ति : रोज़ सुबह स्नान करो, गाँव में जैसे लोग नदी या कुएँ से नहाते हैं।

› दूसरा – मनः सत्येन शुध्यति : हमेशा सच बोलो, जैसे स्कूल में homework न किया हो तो सच कह दो।

› तीसरा – विद्यातपोभ्यां भूतात्मा : रोज़ थोड़ा पढ़ो और मेहनत करो, खेलने के बाद भी थोड़ा समय दो।

› चौथा – बुद्धिर्ज्ञानेन शुध्यति : अच्छी किताबें पढ़ो, गुरुजी से ज्ञान लो, ताकि फैसले सही लो।

उत्तर – नित्य स्नान, सत्य बोलना, विद्या-परिश्रम और ज्ञानार्जन से शरीर, मन, आत्मा और बुद्धि की शुद्धि होती है।

उदाहरण 5. श्लोक के अनुसार भारतवर्ष की भौगोलिक स्थिति बताओ और इसका भावार्थ लिखो।

› पहले श्लोक पढ़ो – 'उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्'

› इसका मतलब निकालो – जो भूमि समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में है

› फिर लिखो – 'वर्षं तद् भारतं नाम भारती यत्र सन्ततिः'

› भावार्थ बनाओ – उस भूमि का नाम भारतवर्ष है जहाँ भारतीय संतति रहती है

› अंत में गर्व से लिखो कि यह हमारा देश है जो प्रकृति से सुरक्षित है

उत्तर – समुद्र के उत्तर और हिमालय के दक्षिण में स्थित भूमि भारतवर्ष कहलाती है, जहाँ भारती सन्ततिः निवास करती है।

उदाहरण 6. यदि कोई छात्र रोज़ १० मिनट संस्कृत श्लोक याद करता है, तो एक महीने में कितना ज्ञान बढ़ेगा? श्लोक के भाव के अनुसार समझाइए।

› पहले श्लोक को याद करो – 'जलबिन्दुनिपातेन क्रमशः पूर्यते घटः'

› इसका मतलब है छोटी-छोटी बूँदें गिरकर घड़ा भरती हैं।

› रोज़ १० मिनट अभ्यास = एक-एक बूँद गिराना।

› एक महीने में ३० दिन × १० मिनट = ३०० मिनट का अभ्यास।

› इससे छात्र को संस्कृत का ज्ञान, नियमों का धर्म और आत्मविश्वास का धन मिलेगा।

उत्तर – निरंतर रोज़ का १० मिनट अभ्यास छात्र को ज्ञान, धर्म और धन देगा, ठीक जैसे जलबिन्दु से घट पूर्ण होता है।

उदाहरण 7. श्लोक के अनुसार बुद्धि के विकास के लिए किन-किन उपायों का सेवन करना चाहिए और इसका क्या परिणाम होता है?

› पहले श्लोक को समझो – यः पठति लिखति पश्यति परिपृच्छति पण्डितानुपाश्रयति

› इसका मतलब निकालो – पढ़ना, लिखना, देखना, पूछना और विद्वानों का संग करना

› फिर भावार्थ देखो – इन सबके करने से बुद्धि दिवाकरकिरणैः नलिनीदलमिव विस्तारिता होती है

› यानी सूर्य की किरणों से कमल खिलता है, ठीक वैसे ही बुद्धि विकसित होती है

उत्तर – पढ़ना, लिखना, देखना, पूछना और पण्डितों का आश्रय लेना – इनसे बुद्धि सूर्यकिरणों से खिले कमल की तरह विकसित होती है।

उदाहरण 8. श्लोक के अनुसार यदि हम मधुर वचन बोलें तो क्या होगा और क्यों बोलना चाहिए? अपने शब्दों में समझाओ।

› पहले श्लोक को याद करो – 'प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः'
› इसका मतलब निकालो कि सभी प्राणी मधुर वचन से प्रसन्न होते हैं
› फिर दूसरी पंक्ति देखो – 'तस्मात् तदेव वक्तव्यम्' यानी इसलिए वही बोलना चाहिए
› अंत में समझो कि वचन में कंजूसी नहीं करनी चाहिए, जितना मन हो मधुर बोलो
› निष्कर्ष निकालो कि इससे रिश्ते अच्छे रहते हैं और कोई हानि नहीं

उत्तर – मधुर वचन बोलने से सभी प्रसन्न होते हैं इसलिए सदैव मधुर ही बोलना चाहिए, वचन में कभी कंजूसी नहीं करनी चाहिए।

उदाहरण 9. दो भाइयों में से एक आलसी था, दूसरा उद्यमी। दोनों को परीक्षा में सफल होना था। पहले भाई ने क्या सोचा और क्या हुआ? दूसरे ने उद्यम करके क्या पाया? श्लोक के अनुसार समझाइए।

› पहला कदम: आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थः महान् रिपुः – आलसी भाई काम टालता रहा, पढ़ाई कल पर छोड़ता रहा।
› दूसरा कदम: वो परीक्षा से पहले घबरा गया, तैयारी कम हुई, इसलिए फेल हो गया।
› तीसरा कदम: दूसरे भाई ने उद्यम किया, रोज पढ़ा, नास्त्युद्यमसमो बन्धुः – उद्यम उसका मित्र बना।
› चौथा कदम: कृत्वा यं नावसीदति – मेहनत करने वाला कभी दुखी नहीं होता, वो पास हो गया और खुश रहा।

उत्तर – आलस्य ने पहले भाई को हरा दिया लेकिन उद्यम ने दूसरे को सफल बनाया।

उदाहरण 10. यदि कोई व्यक्ति गरीब बच्चे को पढ़ने के लिए किताबें देता है, तो इसका क्या नैतिक परिणाम होगा? व्यास के वचन के अनुसार समझाइए।

› पहले याद करो श्लोक – अष्टादशपुराणेषु व्यासस्य वचनद्वयम्।
› परोपकारः पुण्याय – मतलब दूसरों की मदद पुण्य लाती है।
› यहाँ किताबें देना परोपकार है, इसलिए पुण्य होगा।
› परपीडनं पापाय नहीं है क्योंकि कोई दुख नहीं दिया।
› नैतिक संदेश – हमेशा परोपकार करो।

उत्तर – परोपकारः पुण्याय – पुण्य प्राप्त होगा, नैतिक संदेश है कि दूसरों की मदद करनी चाहिए।

उदाहरण 11. शब्द 'रिपुः' का शब्दार्थ और अनुवाद लिखिए – संस्कृत अर्थ, हिंदी अर्थ, English और मातृभाषा में।

› पहले देखो किताब में रिपुः का संस्कृत अर्थ क्या दिया है – शत्रुः।
› फिर हिंदी में लिखो – वैरी या शत्रु।
› English में लिखो – Enemy।
› अपनी मातृभाषा, मान लो भोजपुरी या हिंदी ही, में लिखो – दुश्मन।
› सब कॉलम भर दो।

उत्तर – रिपुः - शत्रुः - वैरी - Enemy - दुश्मन

उदाहरण 12. रिक्त स्थान भरिए – बुद्धिः ..... शुध्यति। (ज्ञान)

› पहले समझो वाक्य का मतलब – बुद्धि ज्ञान से शुद्ध होती है।
› ज्ञान शब्द नपुंसकलिंग है, इसलिए तृतीय विभक्ति एकवचन में 'ज्ञानेन' रूप लगेगा।
› पूरी वाक्य बनेगी – बुद्धिः ज्ञानेन शुध्यति।

उत्तर – ज्ञानेन

उदाहरण 13. अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखन्तु – (क) नरः कतिभिः वकारैः पूजितः भवति?

› सुभाषित को ध्यान से पढ़ो – षड् दोषाः पुरुषेणेह हातव्या भूतिमिच्छता
› वकारैः पञ्चभिर्युक्तो नरो भवति पूजितः – यहाँ पाँच वकार बताए गए हैं
› प्रश्न है 'कतिभिः' यानी कितने से, इसलिए जवाब एक शब्द में
› सही रूप चुनो – पञ्चभिः

उत्तर – पञ्चभिः

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• परीक्षा में सुभाषित का अर्थ और पहला श्लोक 'वस्त्रेण वपुषा वाचा' जरूर याद रखो, भावार्थ पूछा जा सकता है।

• बोर्ड परीक्षा में इस श्लोक का पदच्छेद, अन्वय और भावार्थ अक्सर पूछा जाता है, पूरा लिखना सीख लो।

• बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है – पुरुषेण के दोषाः हातव्याः? या श्लोक लिखकर भावार्थ मांगते हैं, इसलिए अन्वय और भावार्थ दोनों याद रखो।

• श्लोक की चार पंक्तियाँ याद कर लो, भावार्थ में नित्य अभ्यास का उल्लेख जरूर लिखना, बोर्ड में 2-3 marks का प्रश्न आ सकता है।

• बोर्ड एग्जाम में यह श्लोक और इसका भावार्थ अक्सर 2-3 अंक का प्रश्न आता है, इसलिए पदच्छेद, अन्वय और भावार्थ तीनों याद रखो।

• बोर्ड परीक्षा में इस श्लोक का भावार्थ पूछा जाता है, हमेशा 'निरंतर अभ्यास' शब्द जरूर लिखना।

• बोर्ड परीक्षा में इस श्लोक का भावार्थ और उदाहरण पूछा जा सकता है, इसलिए उपायों को क्रम से याद रखो

• बोर्ड परीक्षा में इस श्लोक का भावार्थ और पदच्छेद दोनों पूछे जा सकते हैं, पूरा याद रखो।

• बोर्ड परीक्षा में इस श्लोक का भावार्थ जरूर लिखना, अक्सर 2-3 अंक का प्रश्न आता है।

• बोर्ड एग्जाम में यह श्लोक और उसका भावार्थ अक्सर आता है, पूरा अन्वय और नैतिक संदेश याद रखो।

• बोर्ड परीक्षा में शब्दार्थ वाले प्रश्न अक्सर आते हैं, चारों कॉलम सही भरने पर full marks मिलते हैं।

• बोर्ड एग्जाम में रिक्त स्थान भरने और सुभाषित पूर्ण करने वाले प्रश्न अक्सर तृतीय विभक्ति से आते हैं, इसलिए रूप टेबल अच्छे से रट लो और तीनों लिंगों के बहुवचन रूप जरूर याद रखो।

• बोर्ड एग्जाम में श्लोकांश योजन और पर्यायवाची शब्द अक्सर आते हैं, रूप सही लिखो तो पूरे अंक मिलेंगे।

एक नज़र में रिवीज़न

› सुभाषित = अच्छे वचन, मूल्य विकास के लिए

› पञ्च वकार: वस्त्र-वपुष्-वाक्-विद्या-विनय, युक्त नर पूजितः

› षड् दोषाः हातव्याः – निद्रा तन्द्रा भय क्रोध आलस्य दीर्घसूत्रता (भूतिमिच्छता)

› शुद्धि: अद्भि-शरीर, सत्य-मन, विद्या-तप-आत्मा, ज्ञान-बुद्धि

› समुद्र उत्तर, हिमालय दक्षिण = भारतवर्ष (भावार्थ सहित)

› जलबिन्दु-घट : निरंतर अभ्यास से ज्ञान-धर्म-धन

› पढ़ो-लिखो-पूछो-संग करो बुद्धि कमलवत विकसित

› मधुर वचन से सभी प्रसन्न, वचन में कंजूसी न करो

› आलस्य = महान रिपु, उद्यम = बन्धु (श्लोक ८)

› परोपकारः पुण्याय, परपीडनं पापाय (18 पुराणों का सार)

› शब्दार्थ: संस्कृत+हिंदी+English+मातृभाषा में लिखो

› तृतीय विभक्ति रूप: छात्रेण, विद्यया, ज्ञानेन (करण कारक)

› एकपदी, पूर्णवाक्य, श्लोक जोड़ना, पर्याय, रिक्त पूर्ति (तृतीया)